केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 352 शनिवार 18 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

युवक ने फंसरी लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के मजगवां गांव में शुक्रवार को एक 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव उसके घर के अंदर दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका हुआ मिला। परिजनों को इस घटना की जानकारी शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे हुई, जिसके बाद परिवार में मातम छा गया।

मृतक की पहचान मजगवां निवासी फौजदार के पुत्र सोनू गौतम (22) के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, सोनू की शादी लगभग ढाई महीने पहले ही हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही परिवार में विवाद की खबरें सामने आ रही थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इसी पारिवारिक कलह के चलते युवक ने यह कदम उठाया है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

घटना की सूचना मिलते ही पैकोलिया थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगा।

युवक की असामयिक मृत्यु से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में भी इस घटना के बाद शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इतनी कम उम्र में और शादी के कुछ ही समय बाद हुई इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा डलिया चौराहे के समीप हुआ। एक बाइक आगे चल रहे टेम्पो को ओवरटेक करने का प्रयास कर रही थी, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में कृष्णा भगौती निवासी विष्णु (18) पुत्र रामलखन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर सवार भरपुरैया महसो निवासी साहिल (17) पुत्र विजय गंभीर रूप से घायल हो गया।

गुरू दक्षिणा में छाते का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

डुमरियागंज (सिद्धार्थनगर)। सेमरहना स्थित अपने आवास पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह ने गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

बरसात के मौसम को देखते हुए उपेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में आए लोगों को छाता भेंट कर सम्मानित किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'सेवा ही संगठन' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहयोग, संवेदना और सम्मान पहुंचाना उनका संकल्प है। कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही जनसेवा की सबसे बड़ी प्रेरणा है तथा इसी भावना के साथ जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

देश को हाइड्रोजन ट्रेन की सौगात

सोनीपत (आभा)। भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन अब जींद से दिल्ली तक दौड़ने की तैयारी में है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फिलहाल ट्रेन की टेस्टिंग सोनीपत से दिल्ली के बीच चल रही है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस तकनीक के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन ट्रेन की

पूरी तकनीक विकसित हो चुकी है। खास बात यह है कि इस ट्रेन से धुआं नहीं निकलेगा, बल्कि इसका उत्सर्जन सिर्फ पानी होगा।

रेल मंत्री के मुताबिक, ट्रेन को चलाने के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल का इस्तेमाल किया गया है। फ्यूल सेल हवा से ऑक्सीजन और हाइड्रोजन को मिलाकर बिजली पैदा करता है, जिससे ट्रेन के मोटर चलते हैं। हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत इसकी पर्यावरण अनुकूल तकनीक है। ट्रेन से किसी भी तरह का कार्बन उत्सर्जन नहीं होता और इसमें धुएं की जगह केवल पानी निकलता है। इसके लिए जींद में पानी से हाइड्रोजन तैयार करने का विशेष प्लांट भी स्थापित किया गया है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि पूरी तकनीक भारत में विकसित की गई है और इसके सभी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) देश के पास सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि इस तकनीक की जांच और प्रमाणीकरण दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एजेंसियों ने किया है, जिससे इसकी सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

एसपी ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन और कार्यशैली का जायजा लिया। एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान उच्च स्तर की वर्दी पहनने तथा आमजन के साथ शालीन, संवेदनशील और मधुर व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए।

क्षेत्राधिकारी लाइन की मौजूदगी में एसपी ने पुलिस लाइन परिसर स्थित शस्त्रागार, जीडी कार्यालय, गणना कार्यालय, पुलिस अस्पताल, परिवहन शाखा, कैंटीन, भोजनालय, यातायात कार्यालय, डायल–112 कार्यालय तथा पुराने और नव निर्मित बैरक भवनों का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ–सफाई, अभिलेखों के

रखरखाव और पुलिसकर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के बाद एसपी ने अर्दली रूम आयोजित कर अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, कार्यालयों में अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक के पीआरओ सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षामित्र के बेटे ने रचा इतिहास, एमबीबीएस में चयन : प्रमुख अनिल दूबे ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। कुदरहा विकास क्षेत्र के सिसई बाबू गांव निवासी अमर चौधरी ने नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अमर ने 571 अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया है। उनकी सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दूबे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि सिसई बाबू गांव पहुंचकर अमर को माला पहनाकर बधाई देते हुए उत्साहवर्धन किया। अमर चौधरी के पिता लालाजी चौधरी गांव के ही परिषदीय स्कूल में शिक्षामित्र के पद पर कार्यरत हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अमर ने गांव से ही तैयारी की और तीसरे प्रयास में नीट परीक्षा में सफलता हासिल की। अमर ने अपनी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की शिक्षा बस्ती में पूरी की। अमर के बड़े भाई अजय चौधरी पॉलीटेक्निक की पढ़ाई पूरी कर नौकरी कर रहे हैं। बहन पूनम चौधरी जीएनएम की पढ़ाई पूरी कर स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। माता गायत्री देवी गृहिणी हैं। बेटे की सफलता से पूरे परिवार में उत्साह और खुशी का माहौल है। अमर के इस सफलता की जानकारी मिलने के बाद ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दूबे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों ने परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। ब्लॉक प्रमुख अनिल दूबे ने कहा कि अमर चौधरी ने अपनी मेहनत और लगन से साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। उनकी सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। हमें विश्वास है कि वह एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे। अमर चौधरी ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लगातार मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही मंजिल तक पहुंचाते हैं। मैंने हर असफलता से सीख ली और कभी हार नहीं मानी। मेरी यह सफलता मेरे माता–पिता, गुरुजनों और परिवार के त्याग व आशीर्वाद का परिणाम है। इस दौरान मुख्यरूप से जिला पंचायत सदस्य सदा यादव, शिक्षक नेता आनंद दूबे, इंद्र कुमार चौधरी, अजय पाल, ओमकार चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, रुदल प्रसाद, मानसिंह, अजय चौधरी, देवी प्रसाद, जयंती चौधरी, रामसुरेश, फूलचंद्र चौधरी, कल्पनाथ, सर्वजीत चौधरी, अनिल चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जीवीएम में जल संरक्षण पर विविध आयोजन:छात्रों को दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जी.वी.एम. कान्वेन्ट स्कूल के परिसर में जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों ने बड़े ही उमंग एवं उत्साह से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय में निबंध लेखन, कला प्रतियोगिता एवं रंगोली बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि परमानन्द जूनियर इंजीनियर भूगर्भ जल विभाग एवं श्री आशुतोष श्रीवास्तव (सीनियर असिस्टेन्ट भूगर्भ जल विभाग) रहे। कार्यक्रम का निरीक्षण विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती विजय लक्ष्मी सिंह ने किया। उन्होंने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि 'जल ही जीवन है' अगर हमें अपने जीवन को बचाना है तो जल का संरक्षण करना होगा। हमारे भूगर्भ में 1 प्रतिशत से भी कम पीने योग्य जल है इसलिए हमें इसका उपयोग बड़े ही सावधानी एवं न्यायसंगत तरीके से करना होगा।

जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा छरू से अमृता, आराध्या, शाम्भवी, आध्या, अनन्तराज, कक्षा दस से सान्विका, अवन्तिका, प्रियंशी, स्निग्धा, सिद्धी, स्नेहा, कहकशा, शालिनी, कक्षा ग्यारह से आराध्या, रोशनी, अफरीन, अनुष्का, कक्षा बारह से अंशिका, प्रतिक्षा, हर्षिता, श्रेयांशी, शिल्पी, जेबा एवं अंचल ने प्रतिभाग किया।

कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतियोगियों में हर्ष, तौहीद, अनमोल, अदिति, विधान, अंशिका, श्रद्धा, अवन्तिका, निधि मुख्य रहे। बाद में सभी प्रतियोगिकाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया एवं प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया एवं प्रमाण पत्र दिया गया। घोषित परिणाम में, निबन्ध (हिन्दी) प्रतियोगिता में प्रिया प्रथम, सिमरन द्वितीय, रिशिता तृतीय स्थान पर रही। निबन्ध (अंग्रेजी) प्रतियोगिता में अंश प्रथम, जाह्नवी द्वितीय एवं भावना तृतीय स्थान पर रहे। कला प्रतियोगिता में हर्ष प्रथम, अबादीन द्वितीय एवं आरुषि तृतीय रही। रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा 12 ग्रुप प्रथम, कक्षा 11 ग्रुप द्वितीय एवं कक्षा 10 एवं कक्षा 6 ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे।

इस अवसर पर राकेश, राजेश, सावित्री, प्रवीन, साकेत, पूजा, आस्था, महिमा, सुचिता, सूरज, गिरीश, पवन, सुशील, अरविन्द समेत आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

चोर गिरोह का पर्दाफाश:मुठभेड़ के बाद 5 गिरफ्तार, 7.5 लाख के जेवर, नकदी बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे पुलिस और स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में अंतरजनपदीय चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ। मुठभेड़ के बाद पांच शातिर चोर गिरफ्तार किए गए। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 7.5 लाख रुपये के सोने–चांदी के आभूषण, नकदी, दो बाइक, चार मोबाइल, अवैध तमंचा और चोरी के औजार बरामद किए हैं।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बभनान रोड पर कुछ संदिग्ध युवक चोरी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान तीन आरोपियों को मौके से दबोच लिया गया, जबकि दो आरोपी मोटरसाइकिल से भाग निकले। भागते समय कुछ दूरी पर उनकी बाइक फिसल गई। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान आरोपी सुजीत पासी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके साथी को भी मौके से दबोच लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगतू, सर्वेश चौहान, रामजी चौरसिया, सुधाकर और सुजीत पासी के रूप में हुई है। सभी आरोपी सीतापुर जिले के निवासी बताए गए हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 33 ग्राम सोने और 1.2 किलोग्राम चांदी के आभूषण, 32,200 रुपये नकद, दो मोटरसाइकिल, चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन, चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार, एक 315 बोर का अवैध तमंचा, कारतूस और खोखा बरामद किया है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 7.5 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे मजदूर बनकर नए क्षेत्रों में पहुंचते थे और रात में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने के बाद तुरंत ठिकाना बदल देते थे।

एसपी ने बताया कि यह गिरोह हरैया, दुबौलिया, कप्तानगंज और गौर थाना क्षेत्रों समेत कई स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी का सामान खरीदने वाले लोगों की भी तलाश की जा रही है। इस सफल कार्रवाई पर हरैया पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

अर्थी उठी तो भाई ने जताया संदेह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बिशुनपुरा दुबौला निवासी जवाहर लाल उपाध्याय के घर उनके साले कृष्ण मुरारी (70) पिछले करीब दो वर्षों से रह रहे थे। कृष्ण मुरारी मूल रूप से सोनहा थाना क्षेत्र के निवासी थे और काफी समय से बीमार चल रहे थे। मौत के बाद उस समय हड़कंप मच गया, जब दाह संस्कार से ठीक पहले उनकी अर्थी रोक दी गई। मृतक के भाई ने बहन के पति पर मौत को लेकर आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अब मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

नगरपालिका में 83 लाख की लागत से बनेगा रिकार्ड रूमः अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को नगरपालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने नगर पालिका परिषद बस्ती कार्यालय भवन में 'रिकॉर्ड रूम' के निर्माण कार्य हेतु विधि विधान से भूमि पूजन और शिलान्यास किया। कहा कि लगभग 83 लाख 34 हजार 657 रुपये रिकार्ड रूम के बन जाने से विभागीय अभिलेखों के रख रखाव में काफी सुविधा होगी। अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि नगरपालिका क्षेत्र के वार्डो का समुचित विकास कराया जा रहा है। बारिश के दिनों में जल जमाव न होने पाये इसके कड़े निर्देश दिये गये हैं।

नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि चरणबद्ध विकास की कड़ी में यह

बड़ी उपलब्धि है। रिकार्ड रूम और अभिलेखों की सुरक्षा आवश्यक है। शिलान्यास अवसर पर मुख्य रूप से अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता, सभासद कृष्ण कुमार, सहायक अभियंता 'सिविल' जयराम पासवान, अवर अभियंता सिविल' अर्पित निगम, निर्माण लिपिक अमित शुक्ला एवं नगर पालिका के अनेक अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीपीएससी में चयनित पूर्व छात्र शिवम का विद्यालय में हुआ सम्मान, विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी, हरैया में शुक्रवार को उस समय उत्साह और गौरव का माहौल बन गया, जब विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र शिवम सिंह बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर बिहार प्रशासनिक सेवा में नगर निगम अधिकारी पद पर चयनित होने के बाद अपने पिता अशोक सिंह, चाचा एवं भाई के साथ गुरुजनों का आशीर्वाद लेने विद्यालय पहुंचे। विद्यालय परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका अभिनंदन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि शिवम सिंह की सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध कर दिया है कि सही दिशा में निरंतर प्रयास करने वाला विद्यार्थी हर लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिवम की उपलब्धि वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

उल्लेखनीय है कि शिवम सिंह ने वर्ष 2015 में इसी विद्यालय से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया था। इसके बाद उन्होंने एनआईटी दुर्गापुर से बीटेक की पढ़ाई पूरी की और अपनी प्रतिभा व कठिन परिश्रम के बल पर हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर बिहार प्रशासनिक सेवा में नगर निगम अधिकारी पद हासिल किया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए शिवम सिंह ने विद्यालय से जुड़ी पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी मेरे जीवन निर्माण की आधारशिला रही है। यहां के गुरुजनों का मार्गदर्शन, अनुशासन और संस्कार मेरी सफलता की सबसे मजबूत नींव हैं। अपने विद्यालय में लौटकर सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों एवं माता–पिता को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

शिवम सिंह मूल रूप से छबैला ग्राम के निवासी हैं। उन्होंने हरैया के अटवा पूरे अवधी स्थित अपनी बुआ के घर रहकर गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी में कक्षा 9 से 12 तक की शिक्षा ग्रहण की थी।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक पंकज सिंह, दिनेश पाण्डेय, प्रभाकर पाण्डेय, सुधीर पाठक, दिनेश मिश्रा, पवन मिश्रा, रामनरेश शर्मा, शिवराम पटेल, अमित मिश्रा, कैलाश त्रिपाठी, अलगू प्रसाद, कृष्ण मोहन गुप्ता, राकेश यादव, मृत्युंजय यादव, कमलेश शुक्ला, धनवंत शुक्ला, प्रवीण सिंह, संतोष श्रीवास्तव, अमरनाथ केसरवानी, प्रद्युम्न उपाध्याय, सुनील मौर्या, राकेश कुमार यादव, अंजू श्रीवास्तव, अंजली सिंह, बीनू पांडे, वर्तिका श्रीवास्तव, निहारिका सिंह, पूनम सिंह, मुस्कान यादव, सोनी शुक्ला, अनीता सिंह, प्रियंका पाण्डेय, संध्या त्रिपाठी, हिमांशु मिश्रा, सपना सिंह, सिमरन सिंह, पदमा मिश्रा, मधु शर्मा, कामना त्रिपाठी, संध्या श्रीवास्तवा, श्रुति श्रीवास्तव, वंदना विश्वकर्मा, विधि, संयोगिता श्रीवास्तव सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

22 को बूथ अध्यक्ष सम्मेलन करेगी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 22 जुलाई को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में एक साथ विशाल बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय पर बैठक कर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। सम्मेलन के मुख्य संयोजक जिला उपाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय, सह. संयोजक जिला मंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी एवं राजेन्द्र राजभर, 22 जुलाई को बस्ती लोकसभा क्षेत्र की सभी पाँचों विधानसभाओं , हरैया, कप्तानगंज, रुधौली, बस्ती सदर एवं महादेवा, में व्यापक स्तर पर सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। विवेकानंद मिश्र ने सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों व प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 18 जुलाई को मंडल स्तर पर

बैठक कर मंडल पदाधिकारियों तथा शक्तिकेंद्र संयोजकों,प्रभारियों को जिम्मेदारी दें, 22 जुलाई के सम्मेलन के लिए सभी बूथ अध्यक्षों से व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करें। 19 जुलाई को सभी शक्ति केन्द्रों पर बैठक कर सभी बूथ समिति सदस्यों का डिजिटल लॉटरी प्लेटफॉर्म पर शत–प्रतिशत पंजीकरण कराएँ तथा उनके मोबाइल और प्रश्नावली पूर्ण कराएँ।

बैठक में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, राम श्रृंगार ओझा , जिला उपाध्यक्ष, भानु प्रकाश मिश्रा, अखण्ड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मा देव यादव, शिवानी सिंह, शालिनी मिश्रा ,जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार, प्रेम प्रकाश चौधरी, जिला मंत्री सुनील सिंह, राकेश शर्मा, प्रदीप निषाद, सुधाकर पाण्डेय नीरज, विनय सिंह भारद्वाज, अजय पाल सिंह,निरज त्रिपाठी, दिव्य प्रकाश, विनय यादव, नगेन्द्र सिंह सिंकू, विजय पान्डे राजू, सत्येन्द्र सिंह भोलू, राज कुमार शुक्ल, वेद प्रकाश त्रिपाठी, अरविंद चौधरी , ओमकार सिंह, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि तिवारी, गिरजेश यादव, जमुना पाण्डेय, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, कमेन्द्र चौहान, सर्वजीत भारती, शिव प्रसाद चौधरी, विजय भान सिंह, अंकित पाण्डेय 'पवन', संजय कुमार चौरसिया, दुर्गेश अग्रहरी , शिवचरण जायसवाल, आशीष शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 जुलाई 2026 शनिवार

सम्पादकीय

असहमतियों के स्वर और लोकतंत्र

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति–नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शकर्रा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई– 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर–तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार–बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति–नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है।

निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा–संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरुआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है। ऐसे में समस्या के समाधान के लिये एक भरोसेमंद समिति और चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर विचार करने के लिये एक तय समय–सीमा वाला रोडमैप, भरोसे की कमी को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। सही मायने में इस आंदोलन के मानवीय पक्ष पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यानी सरकार समझने की कोशिश करे कि इस आंदोलन के जन्म लेने के पीछे क्या भावनाएं काम कर रही थीं। साथ ही सरकार को शांतिपूर्ण विरोध के मूलभूत लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान करना चाहिए। निश्चित रूप से बातचीत के लिये किया गया कोई ईमानदार प्रयास गतिरोध को दूर करने में सहायक साबित हो सकता है। साथ ही इस बात की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी है कि शासन की शिथिलता व उदासीनता की कीमत सोनम वांगचुक की सेहत को न चुकानी पड़े।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौता..?

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी–भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत–अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा? गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है। हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है!

ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

दसिया एथेनाल फैक्ट्री : विकास की रफ्तार या पर्यावरण की कीमत?

–अखिल कुमार यादव–

उत्तर प्रदेश आज देश में एथेनॉल उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। केंद्र सरकार की एथेनॉल मिश्रण (Ethanol Blending) नीति और राज्य सरकार की औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं के कारण प्रदेश में अनेक नए एथेनॉल संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, गन्ना आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित करना तथा पेट्रोलियम आयात पर देश की निर्भरता कम करना है। बस्ती जनपद के ग्राम दसिया में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री भी इसी औद्योगिक परिवर्तन का हिस्सा है। किंतु इस परियोजना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा कर दिया है क्या आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ–साथ चल सकते हैं, अथवा विकास की कीमत स्थानीय लोगों को अपने स्वास्थ्य, जल और पर्यावरण के रूप में चुकानी पड़ेगी?

यह समझना आवश्यक है कि एथेनॉल उद्योग सामान्य उद्योगों की श्रेणी में नहीं आता। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने डिस्टिलरी एवं एथेनॉल उद्योगों को ष्रेड कैटेगरीष में रखा है। रेड कैटेगरी में वही उद्योग शामिल किए जाते हैं जिनका प्रदूषण सूचकांक (च्वससन. जपवद प्दकम•) सर्वाधिक होता है और जिनसे जल, वायु तथा भूमि प्रदूषण की आशंका अधिक रहती है। इसलिए ऐसे उद्योगों पर सामान्य उद्योगों की तुलना में अधिक कठोर पर्यावरणीय और कानूनी मानक लागू होते हैं। एथेनॉल संयंत्र की स्थापना केवल भूमि खरीद लेने से संभव नहीं हो जाती। सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि जिस भूमि पर उद्योग स्थापित किया जा रहा है, उसका भूमि उपयोग (Land Use) औद्योगिक है या नहीं। यदि भूमि कृषि अथवा अन्य उपयोग की है, तो विधिवत Change of Land Use (CLU) कराया जाना आवश्यक होता है। परियोजना को स्थानीय मास्टर प्लान, जोनिंग नियमों तथा सक्षम प्राधिकरणों की स्वीकृतियों के अनुरूप होना चाहिए। यदि उद्योग नियोजित औद्योगिक क्षेत्र से बाहर स्थापित किया जा रहा है, तो इन प्रक्रियाओं का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसके साथ ही पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा जहाँ लागू हो वहाँ पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) अधिसूचना, 2006 के प्रावधानों का पालन अनिवार्य है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (UPPCB) से Consent to Establish (CTE) तथा उसके बाद Consent to Operate (CTO) प्राप्त किए बिना ऐसे उद्योग का संचालन नहीं किया जा सकता। यदि परियोजना इन सभी स्वीकृतियों के साथ आगे बढ़ रही है, तो यह जानकारी सार्वजनिक होना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि पारदर्शिता ही जनविश्वास की सबसे बड़ी आधारशिला है।

एथेनॉल उद्योग में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है और इससे स्पेंट वॉश (Spent Wash) सहित अन्य औद्योगिक अपशिष्ट उत्पन्न होते हैं। यदि इनका वैज्ञानिक उपचार नहीं किया गया तो भूजल, तालाब, नदियाँ, कृषि भूमि और आसपास के पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसी कारण केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ऐसे उद्योगों के लिए Zero Liquid Discharge (ZLD) जैसी उन्नत प्रणाली पर विशेष बल दिया है, ताकि बिना उपचारित अपशिष्ट जल पर्यावरण में न छोड़ा जाए। केवल कागजों पर प्रदूषण नियंत्रण की व्यवस्था पर्याप्त नहीं हैय उसका प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी भी उतनी ही आवश्यक है। दसिया परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि इसका प्रभाव आसपास के गांवों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, अस्पतालों, कृषि भूमि और पेयजल स्रोतों पर क्या पड़ेगा। यद्यपि सभी उद्योगों के लिए पूरे देश में विद्यालयों या अस्पतालों से एक समान न्यूनतम दूरी निर्धारित नहीं है, फिर भी पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया में यह अनिवार्य रूप से देखा जाता है कि उद्योग से निकलने वाला धुआँ, दुर्गंध, शोर, अपशिष्ट जल अथवा अन्य प्रदूषण इन संवेदनशील स्थलों को प्रभावित न करे। घनी आबादी और जनस्वास्थ्य पर संभावित प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन किसी भी बड़ी औद्योगिक परियोजना का आवश्यक हिस्सा है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने भी अपने अनेक निर्णयों में Precautionary Principle (एहतियाती सिद्धांत) और च्वससनजमत च्ंले त्पदबपचसम (प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा) को भारतीय पर्यावरणीय न्यायशास्त्र का आधार माना है। इन सिद्धांतों का स्पष्ट संदेश है कि जहाँ पर्यावरणीय जोखिम की संभावना हो, वहाँ पहले सावधानी बरतना अनिवार्य है और यदि प्रदूषण होता है तो उसकी भरपाई प्रदूषण फैलाने वाले को करनी होगी। इसलिए उद्योग की स्थापना का मूल्यांकन केवल निवेश और रोजगार के आधार पर नहीं, बल्कि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के आधार पर भी होना चाहिए। दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि यदि परियोजना सभी कानूनी और पर्यावरणीय मानकों का ईमानदारी से पालन करती है, आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण तकनीक अपनाती है, भूजल संरक्षण के उपाय करती है और स्थानीय समुदाय के प्रति उत्तरदायी रहती है, तो इसके अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। किसानों को बेहतर बाजार, युवाओं को रोजगार, परिवहन और व्यापार में वृद्धि, स्थानीय अर्थव्यवस्था का विस्तार तथा क्षेत्र में नए निवेश की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। लेकिन इन लाभों की स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि उद्योग पर्यावरणीय दायित्वों का पालन कितनी गंभीरता से करता है।

कंपनी के लिए भी यह अवसर है कि वह केवल वैधानिक अनुमतियों तक सीमित न रहे, बल्कि कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ब्ट) के अंतर्गत पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय युवाओं के कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में ठोस योगदान दे। साथ ही पर्यावरणीय निगरानी रिपोर्ट, जल उपयोग के आँकड़े और प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने से लोगों का विश्वास और मजबूत होगा। दसिया एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसी एक पक्ष का समर्थन या विरोध नहीं, बल्कि तथ्यों, कानून और पारदर्शिता की है। यदि परियोजना सभी वैधानिक शर्तों का पालन कर रही है, तो उसकी जानकारी खुले रूप में सामने आनी चाहिए। यदि कहीं कोई कमी है, तो उसे समय रहते दूर करना प्रशासन, कंपनी और नियामक संस्थाओंकृसभी की साझा जिम्मेदारी है।

वास्तविक और सतत विकास वही है जो उद्योग स्थापित करे, किसानों की आय बढ़ाए, युवाओं को रोजगार दे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाए और साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु और सुरक्षित पर्यावरण भी सुनिश्चित करे। दसिया एथेनॉल फैक्ट्री केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं हैय यह उत्तर प्रदेश में विकास, पर्यावरण संरक्षण और सुशासन के बीच संतुलन स्थापित करने की एक महत्वपूर्ण परीक्षा भी है।

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

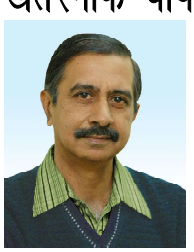

–मुकुल व्यास–

शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोना वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोना वायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना घ्है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं।

हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने–पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर–एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। निरूसंदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स–कोव–2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार–बार अपडेट करना पड़ता है।

कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन–लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते–जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है।

वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स–कोव–2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड–19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। ब्राजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है।

टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3दृ20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स–कोव–2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स–कोव–2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई।

दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं। असल में सिर्फ वायरस ही साउंड वेव की एनर्जी पर रिस्पॉन्ड करता है, मेजबान कोशिकाओं पर नहीं। टेस्ट की गई कंडीशन में वायरस के कण आसपास की कोशिकाओं की तुलना में कहीं ज्यादा कमजोर दिखे। टीम को उम्मीद है कि उनका नया तरीका दूसरे वायरल इन्फेक्शन पर भी काम करेगा, और उन्होंने पहले ही यह जांच शुरू कर दी है कि डेंगू, जीका और चिकनगुनिया को उसी तरह कैसे टारगेट किया जा सकता है।

अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना बाकी है। यह स्टडी जानवरों या इंसानों पर किसी प्रयोग के बजाय लैब टेस्ट तक सीमित थी और सिर्फ दो अलग–अलग तरह के वायरसों पर की गई थी। यह महज एक शुरुआत है लेकिन इस टेक्नोलॉजी ने खतरनाक वायरसों से निपटने का एक बिल्कुल नया तरीका पेश किया है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

रील्स नहीं, रियल स्किल्स बनाती हैं भविष्य

– डॉ. सत्यवान सौरभ–

डिजिटल युग ने अवसरों की दुनिया को पहले से कहीं अधिक विस्तृत बना दिया है। आज एक साधारण स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी प्रतिभा को लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। अनेक युवाओं ने अपनी मेहनत, रचनात्मकता और निरंतर प्रयास के बल पर इस माध्यम से पहचान, सम्मान और आर्थिक सफलता भी प्राप्त की है। यह परिवर्तन निश्चित रूप से तकनीकी क्रांति का सकारात्मक पक्ष है। किंतु इसी चमकदार दुनिया का एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे अक्सर लाइक्स, व्यूज और वायरल वीडियो की चकाचौंध ढँक देती है। यही कारण है कि आज बड़ी संख्या में युवा पारंपरिक शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और दीर्घकालिक करियर योजना की तुलना में सोशल मीडिया को ही सफलता का सबसे सरल और तेज रास्ता मानने लगे हैं। यह सोच जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही जोखिमपूर्ण भी है।

आज सोशल मीडिया पर हमें वही लोग दिखाई देते हैं जिन्होंने लाखों–करोड़ों रुपये कमाए, महंगी गाड़ियाँ खरीदीं, आलीशान घर बनाए और कुछ वर्षों में लोकप्रियता की ऊँचाइयाँ छू लीं। लेकिन कैमरे के पीछे एक विशाल दुनिया ऐसी भी है जहाँ लाखों लोग प्रतिदिन वीडियो बनाते हैं, घंटों संपादन करते हैं, नए विचार खोजते हैं और फिर भी उन्हें न तो पर्याप्त दर्शक मिलते हैं और न ही आर्थिक स्थिरता। सफलता की कहानियाँ वायरल होती हैं, संघर्ष की कहानियाँ आँकड़ों में दब जाती हैं। यही चयनात्मक दृश्य युवाओं में भ्रम पैदा करता है कि यदि कुछ लोगों ने सोशल मीडिया से जीवन बदल लिया है तो हर व्यक्ति ऐसा कर सकता है।

वास्तविकता यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सफलता अत्यंत असमान रूप से वितरित होती है। कुछ प्रतिशत शीर्ष क्रिएटर्स अधिकांश दर्शकों, विज्ञापनों और आय पर अधिकार कर लेते हैं, जबकि शेष लाखों लोग सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते रहते हैं। यह स्थिति केवल भारत में नहीं बल्कि विश्वभर में देखी जाती है। अधिकांश कंटेंट क्रिएटर्स अपनी सामग्री से स्थायी और सम्मानजनक आय अर्जित नहीं कर पाते। इसलिए सोशल मीडिया को निश्चित करियर मान लेना आर्थिक दृष्टि से एक जोखिमपूर्ण निर्णय हो सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि सोशल मीडिया बुरा है या उस पर करियर बनाना गलत है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब युवा बिना किसी वैकल्पिक कौशल, शिक्षा या पेशेवर योग्यता के केवल वायरल होने की उम्मीद पर अपना भविष्य दाँव पर लगा देते हैं। इंटरनेट पर प्रसिद्धि प्राप्त करना और लंबे समय तक आर्थिक रूप से सफल बने रहना दो अलग–अलग बातें हैं। आज जो वीडियो करोड़ों लोग देख रहे हैं, संभव है कुछ महीनों बाद वही दर्शक किसी नए चेहरे की ओर आकर्षित हो जाएँ। डिजिटल दुनिया में लोकप्रियता का चक्र अत्यंत तेज गति से बदलता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती इसकी अनिश्चितता है। यहाँ आपका भविष्य केवल आपकी प्रतिभा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम, विज्ञापन नीतियों, कॉपीराइट नियमों, तकनीकी बदलावों और दर्शकों की बदलती पसंद पर भी निर्भर करता है। एक छोटे से एल्गोरिदमिक परिवर्तन से लाखों फॉलोअर्स वाले अकाउंट की पहुँच अचानक घट सकती है। किसी नीति परिवर्तन से आय का प्रमुख स्रोत समाप्त हो सकता है। किसी तकनीकी त्रुटि या अकाउंट निलंबन से वर्षों की मेहनत प्रभावित हो सकती है। ऐसी अनिश्चितता किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा का आधार नहीं बन सकती। इसके विपरीत वास्तविक कौशल की दुनिया कहीं अधिक स्थिर है। एक चिकित्सक की चिकित्सा– योग्यता, एक शिक्षक का ज्ञान, एक इंजीनियर की तकनीकी क्षमता, एक वकील का विधिक अनुभव, एक किसान की कृषि विशेषज्ञता, एक प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन या मशीन ऑपरेटर का व्यावसायिक कौशल किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निर्भर नहीं होता।

हनुमानगढ़ी का निर्माण एक मुसलमान ने ही कराया, बृजभूषण सिंह का दावा, कभी नमाज नहीं पढ़ी गई

संवाददाता—गोण्डा। भाजपा के पूर्व सांसद बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के राम मंदिर से सटी हनुमान गढ़ी में नमाज पढ़ने के दावे को पूरी तरह गलत बताया है। बृजभूषण शरण सिंह ने यह भी कहा कि हनुमानगढ़ी का निर्माण एक मुसलमान ने ही कराया था। आज भी वहां पत्थर लगा है। पिछले दिनों अयोध्या दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी की सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि आज राम मंदिर में आस्था जताने वालों ने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाई थी। बृजभूषण शरण सिंह से पहले शुक्रवार को ही अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी हनुमानगढ़ी में नमाज की बातों को गलत कहा था। गोंडा में आयोजित समारोह के दौरान शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी में कभी नमाज नहीं पढ़ी गई थी। नमाज पढ़ी जाने की खबर पूरी तरह गलत है। बृजभूषण ने यह भी कहा कि सभी को मालूम होना चाहिए कि इस हनुमानगढ़ी का निर्माण एक मुसलमान ने ही कराया था। आज भी वहां उसके नाम का पत्थर लगा है।

बृजभूषण शरण सिंह की भी गिनती राम मंदिर आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने वालों में होती है। अयोध्या के पड़ोसी जिले गोंडा के रहने वाले बृजभूषण का बचपन अयोध्या की गलियों में ही बीता है। उनकी पहचान बाहुबली सांसद के रूप में होती है। उनके दबदबे का ही असर है कि महिला पहलवानों के मामले में नाम आने के बाद जब उन्हें बीजेपी ने टिकट नहीं दिया तो बेटे को देना पड़ा। इस समय बृजभूषण शरण सिंह का एक बेटा बीजेपी से सांसद और दूसरा बीजेपी से विधायक है।

वहीं, अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने भी हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़ने की बातों को पूरी तरह झूठ कहा। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राम मंदिर में हुई चोरी से ध्यान भटकाने के लिए यह सब किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चोरी को लेकर पहले कहा कि दूध का दूध पानी का पानी होगा। दोबारा यहां आए तो लगा कि दूध का दूध पानी का पानी नहीं हो पाएगा तो लोगों का ध्यान भटकाने के लिए 27 साल पहले हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़ने की बात कही। शंकराचार्य ने कहा कि हमारी पवित्र सीढ़ियों पर नमाज की बातें कहकर हमारे मंदिर को अपवित्र करने का काम किया है। शंकराचार्य ने यहां तक कहा कि हम कल हनुमानगढ़ी जा रहे हैं। वहां जाकर कहेंगे कि इस मंदिर के लिए ऐसी झूठी बातें करने वाले व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित होना चाहिए। अगर उनका प्रवेश प्रतिबंधित नहीं होता है तो हम कल के बाद हनुमानगढ़ी नहीं जाएंगे।

सभी सीटों पर जीत लक्ष्य, कार्यकर्ता दोगुनी शक्ति से कर रहे कार्य

संवाददाता—कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने के बाद विनोद राय का शुक्रवार को पहली बार कुशीनगर आगमन हुआ। जिले की सीमा से लेकर भाजपा कार्यालय तक कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में गोरखपुर क्षेत्र की सभी सीटों पर जीत भाजपा का लक्ष्य है। भाजपा के नवनियुक्त गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के प्रथम कुशीनगर दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जिले की सीमा रामपुर 15 मील पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उनकी अगवानी के लिए मौजूद रहे। इसके बाद दर्जनों वाहनों के काफिले के साथ उनका स्वागत हाटा, कसया और जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय तक किया गया।

भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, जिला, मंडल और बूथ स्तर के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ, मालाएं और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद राजेश गुड्डू पांडेय, राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। विनोद राय ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और अनुशासन के बल पर लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। साथ ही घोषणा की कि 22 जुलाई को प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पहली बार बूथ अध्यक्षों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति और संगठनात्मक कार्यों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विनोद राय ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कुशीनगर की सभी सात सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस बार पार्टी का लक्ष्य गोरखपुर क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों पर विजय हासिल करना है।

न्याय पाने के लिए बहनों के साथ पैदल ही रुद्रपुर से देवरिया पहुंचा बालक

संवाददाता—देवरिया। जिले के 593 विद्यालयों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। 50 से कम छात्र संख्या वाले यह विद्यालय निकट भविष्य में दूसरे विद्यालय से पेयर हो सकते हैं। इससे शिक्षकों और बच्चों को दूसरे विद्यालय में पढ़ने पढ़ाने जाना पड़ेगा। बेसिक शिक्षा विभाग इसे बच्चों हित में बता रहा है। वहीं पेयरिंग करने का पूरा विवेकाधिकार खंड शिक्षा अधिकारियों को दिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को निकटम किसी बेहतर संसाधन और छात्र संख्या वाले विद्यालय से पेयर करने का निर्णय लिया है। इसके पीछे अच्छे माहौल और अच्छी छात्र संख्या के बीच पठन पाठन की गुणवत्ता बढ़ाना है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो इससे बच्चों में आपसी तालमेल भी बढ़ेगा। इस पेयरिंग के लिए जिले में ब्लॉकवार सूची बना ली गई है। इसके अनुसार जिले सभी 16 ब्लॉकों और नगर क्षेत्र में कुल 593 विद्यालय चिन्हित किये गये हैं। इसमें चार कम्पोजिट विद्यालय, 95 उच्च प्राथमिक विद्यालय और 494 प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। किस ब्लॉक में कितने विद्यालय बैतालपुर ब्लॉक में 66, बनकटा में 25, बरहज में 15, भागलपुर में 43, भटनी में 32, भाटपार रानी में 39, भलुअनी में 48, देवरिया नगर क्षेत्र में 6, देवरिया सदर में 34, देसही देवरिया में 28,गौरी बाजार में 43, लार में 44, पथरदेवा में 18, रामपुर कारखाना में 19, रुद्रपुर में 59, सलेमपुर में 62, तरकुलवा में 12 चिन्हित किये गये हैं। बीईओ लेंगे पेयरिंग का निर्णय चिन्हित किये गये विद्यालयों की पेयरिंग की पूरी जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों को सौंपी गयी है। बीईओ मौके पर जायेंगे और भौतिक निरीक्षण कर किस विद्यालय को किससे पेयर करना है, इसका निर्णय लेंगे। बीईओ को अगर लगता है कि पेयरिंग उचित नहीं है तो उसे सूची से हटा सकते हैं।

रहस्यमय ढंग से 12 वर्षीय छात्र लापता, स्कूल जाते हुए छोटे भाई को अचानक वापस भेजा था घर

संवाददाता—श्रावस्ती। अचानक एक बच्चा लापता हो गया। बच्चा अपने भाई के साथ स्कूल जा रहा था। लेकिन अचानक उसने अपने भाई को घर वापस जाने को कह दिया। इसके बाद वो अचानक से लापता हो गया। बताया जा रहा है कि जनपद के गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मनकापुर खुर्द के मजरा खेवनाए निवासी एक 12 वर्षीय छात्र स्कूल जाते समय रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। घटना के बाद से परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। आसपास के गांवों में तलाश के बावजूद छात्र का कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजनों ने गिलौला थाने में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कर छात्र की तलाश की मांग की है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मनकापुर खुर्द के मजरा खेवनाए निवासी अब्दुल रशीद उर्फ शोभा का 12 वर्षीय पुत्र दिलशाद गुरुवार सुबह करीब 7ः30 बजे अपने छोटे भाई मोहम्मद सलमान के साथ श्री आर. डी. वर्मा स्मारक इंटर कॉलेज भौसांवा पढ़ने के लिए घर से निकला था। रास्ते में चंदनपुर बढ़ईतारा गांव के पास पहुंचने पर दिलशाद ने अपने छोटे भाई से कहा कि तुम घर वापस चले जाओ मैं भी थोड़ी देर में आ जाऊंगा। इसके बाद सलमान घर लौट आया लेकिन दिलशाद न तो विद्यालय पहुंचा और न ही वापस घर लौटा।

शाम तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के गांवों में उसकी तलाश शुरू की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। शुक्रवार को परिजनों ने गिलौला थाने पहुंचकर तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कर छात्र की शीघ्र बरामदगी की मांग की। बताया जा रहा है कि दिलशाद कक्षा चार का छात्र है और उसका छोटा भाई मोहम्मद सलमान कक्षा तीन में है दोनों एक ही विद्यालय में पढ़ते है। छात्र के अचानक लापता होने से परिवार गहरे सदमे में है। परिवार ने पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। पुलिस ने छात्र की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिवार की तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। छात्र की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर खोजबीन शुरू कर दी गई है तथा आसपास के थाना क्षेत्रों को भी सूचना दे दी गई है। छात्र अचानक कहां लापता हो गया इसका पता लगाया जा रहा है। अचानक से छात्र ने अपने भाई को घर क्यों भेजा इसके कारण की जानकारी नहीं हो पाई है। बच्चा केवल इतना ही बता रहा है कि भाई ने घर जाने के लिए कहा और कहा कि वो बाद में आएगा।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को लेकर भाजपा ने कसी कमर, जिला प्रभारी ने बनाई रणनीति

संवाददाता—महराजगंज। भाजपा की ओर से आगामी 22 जुलाई को आयोजित होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की सफलता को लेकर भाजपाई सक्रिय हो गए हैं। शुक्रवार को जिला पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी राम जियावन मौर्य ने संगठनात्मक कार्यक्रमों की गंभीरता पर बल देते हुए कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है, जहां प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित समीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर की जाती है। मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्ष तक सभी पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली पर संगठन की सतत निगरानी रहती है। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रत्येक बूथ अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बूथ अध्यक्षों का पंजीकरण डिजिटल माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा तथा पार्टी के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनकी सक्रियता और संगठनात्मक कार्यों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा।सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से सम्मेलन की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आग्रह किया। पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता का आधार बनता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समन्वय और समर्पण के साथ संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने सभी मंडल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को सम्मेलन की तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने, प्रत्येक बूथ अध्यक्ष से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करने तथा शत—प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, शैलेश पांडेय, अशोक तिवारी, संतोष सिंह, गौतम चौधरी, अजय श्रीवास्तव, फरीदा ईरम, जिला महामंत्री बबलू यादव, मधुर सिंह, जिलामंत्री बैजनाथ पटेल, विष्णुदेव चौरसिया, सरोज पांडेय, दिनेश जायसवाल, विधान सभा संयोजक संजीव शुक्ला, गुलाब चौरसिया, बाबू नंदन शर्मा, मदन राजभर, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री कुर्शेद अंसारी, डीसीएच चेयरमैन अंगद गुप्ता, लाल चंद्र चौधरी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया मगरमच्छ, धान रोपाई के दौरान खींच ले गया था

संवाददाता—बहराइच। जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बौंडी थाना क्षेत्र के मुरौवा गांव में घाघरा (सरयू) नदी के किनारे एक 12 वर्षीय मासूम सुनील को मगरमच्छ ने जिंदा निगल लिया। इस खौफनाक मंजर का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है और ग्रामीणों में भारी दहशत है। इस हादसे ने एक ऐसे परिवार को उजाड़ दिया है जो पहले से ही दुखों का पहाड़ झेल रहा था। 12 वर्षीय सुनील सिंह पहले से ही अनाथ था। ग्रामीणों ने बताया कि सात वर्ष पहले उसकी मां और पांच वर्ष पहले उसके पिता का बीमारी के कारण निधन हो गया था। सुनील के सिर से माता—पिता का साया उठने के बाद उसके चाचा विजय राज सिंह ही इन अनाथ बच्चों का एकमात्र सहारा थे। अब परिवार में सुनील की 14 वर्षीय बहन सुमन, 10 वर्षीय भाई संजय और 7 वर्षीय बहन सीमा ही बचे हैं। इस अत्यंत गरीब परिवार के पास अब आजीविका का कोई साधन नहीं बचा है, जिसके चलते ग्रामीण अब चंदा इकट्ठा कर बच्चों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। सुनील के चाचा विजय राज सिंह ने रुआंसे गले से बताया कि गुरुवार को वे सुनील के साथ खेत में धान की रोपाई करने गए थे।

शाम को काम खत्म करने के बाद सुनील हाथ—मुंह धोने के लिए नदी किनारे गया, तभी झाड़ियों में छिपे मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। मैं अपने भतीजे की चीख सुनकर तुरंत नदी में कूद गया। मैंने सुनील का हाथ पकड़ लिया और उसे खींचने लगा। करीब सात मिनट तक मैं मौत के उस जबड़े से अपने बच्चे को छुड़ाने के लिए लड़ता रहा, लेकिन मगरमच्छ की ताकत के आगे मैं हार गया। वह उसे गहरे पानी में खींच ले गया। — विजय राज सिंह, सुनील के चाचा ग्रामीणों और चाचा ने ईंट—पत्थर फेंककर भी मगरमच्छ को डराने की कोशिश की, लेकिन उसने सुनील को नहीं छोड़ा। उसने बच्चे को पानी में दो—तीन बार पटका और देखते ही देखते आधे शरीर को निगल गया। देर रात करीब 10:30 बजे ग्रामीणों ने नदी से सुनील का शव बरामद किया, जिसका पेट और एक पैर मगरमच्छ पूरी तरह खा चुका था। शुक्रवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस रूह कंपा देने वाली घटना के बाद तिकुरी और आसपास के तटीय गांवों में सन्नाटा पसरा हुआ है। किसान अब नदी के किनारे स्थित अपने खेतों में जाने से कतरा रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद शाकिब ने बताया कि सरयू नदी के किनारे बसे सभी गांवों में मुनादी (ढिंढोरा) पिटवाकर लोगों को नदी से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी जा रही है। इसके साथ ही नदी किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने, अतिरिक्त गश्त बढ़ाने और आदमखोर मगरमच्छ को पकड़ने के लिए जाल लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भाजपा नेता राहुल सिंह की पत्नी समेत पांच पर मुकदमा

संवाददाता—गोंडा। जिले के करनैलगंज कोतवाली में भाजपा नेता राहुल सिंह चौहान, उनकी पत्नी शिल्पी सिंह और लखनऊ निवासी रजनीश रौशन, दीपक कुमार तथा मोहम्मद रजा के खिलाफ धोखाधड़ी का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मामला 54 लाख रुपये की ठगी से संबंधित है। शिल्पी सिंह को कैप्टर मनी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक बताया गया है। यह एफआईआर गुरुवार रात 11:17 बजे दर्ज की गई, जिसकी जानकारी शुक्रवार शाम करीब 5 बजे सामने आई। भाजपा नेता राहुल सिंह चौहान, शिल्पी सिंह, दीपक कुमार और आदिल पर इसी कंपनी में 1.8 करोड़ रुपये के निवेश के नाम पर ठगी का एक मुकदमा 7 जुलाई को भी दर्ज हुआ था। अब 9 दिन बाद यह दूसरी एफआईआर दर्ज की गई है, जिससे सभी आरोपियों में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को अजहरुद्दीन अंसारी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, उनकी मुलाकात लखनऊ निवासी रजनीश रौशन सिंह से हुई थी। रजनीश ने खुद को क्रिप्टो करेंसी व्यापारी बताया और श्वेडेक्रो कंपनीश नामक अपनी कंपनी होने का दावा किया। उन्होंने अजहरुद्दीन, गुफरान अंसारी, सैफ अली, विशाल मौर्य और मोहम्मद अजीम को निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

रजनीश रौशन ने निवेशकों को हर महीने अच्छी आमदनी का भरोसा दिलाया और 5 से 6 महीने में निवेश पर रिटर्न का वादा किया। साथ ही, टीएलसी 2.0 नामक एक क्रिप्टो कॉइन उपहार में देने की बात कही, जिसकी भविष्य में लाखों डॉलर कीमत होने का दावा किया गया। अजहरुद्दीन अंसारी ने आरोप लगाया है कि उन सभी को कैप्टर मनी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड नामक खाते में पैसे डालने के लिए कहा गया। रजनीश रौशन ने गूगल पर सर्च करके दिखाया कि इस कंपनी के निदेशक शिल्पी सिंह और दीपक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शिल्पी सिंह उनके क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता राहुल सिंह की पत्नी हैं। इस तरह, शिकायतकर्ताओं से कुल 54 लाख रुपये की ठगी की गई।

इसी के चलते अजहरुद्दीन अंसारी ने 13 लाख रुपए, गुफरान अंसारी ने 15 लाख रुपए, सैफ अली ने 10 लाख रुपए, विशाल मौर्य ने 4 लाख रुपए और मोहम्मद अजीम ने 12 लाख रुपए इन लोगों को सितंबर 2024 से लेकर के दिसंबर 2024 के मध्य ट्रांसफर किया है। इसके बाद तीन से चार महीने तक इन लोगों को मामूली रिटर्न मिला लेकिन बाद में कंपनी की ओर से लोगों का संपर्क टूट गया और कोई रिटर्न भी नहीं दिया गया। जिस पर हम लोगों ने रजनीश और रजनीश के कहने पर बिहार के रहने वाले मोहम्मद रजा जो कि दिल्ली में रहता था उसे लगातार हम लोगों द्वारा पूछताछ की गई। तो इन लोगों द्वारा हम लोगों को टाल मटोल किया गया कुछ समय बाद रजनीश ने बताया कि राहुल से बात हुई है उन्होंने यह बताया कि अगर इस संबंध में मुझसे कोई बात करोगे और कहीं शिकायत करोगे तो जान से मार दिया जाएगा। कर्नलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि अजहरुद्दीन अंसारी निवासी करनैलगंज के तहरीर पर रजनीश रौशन, कैप्टर मनी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर शिल्पी सिंह, दीपक कुमार और शिल्पी सिंह के पति भाजपा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता राहुल सिंह और मोहम्मद रजा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज करके पूरे मामले की जांच मृत्युंजय सिंह को दी गई है। इस पूरे प्रकरण की भी जांच शुरू कर दी गई है 7 जुलाई को जो मुकदमा लिखा गया था उसकी भी जांच की जा रही है जल्द ही पूरे मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फरार 25 हजार इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। वजीरगंज पुलिस ने आज शुक्रवार 3ः30 बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर विकास यादव को गिरफ्तार किया है। विकास यादव, पुत्र मुनिराज, मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में वांछित था और गैंगस्टर एक्ट के तहत फरार चल रहा था।

उसे शुक्रवार देर शाम करीब 3:30 बजे राजा सगर के पास से घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस ने उसके पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। आरोपी विकास यादव मई 2026 से लगातार मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार था।

उसकी गिरफ्तारी के लिए वजीरगंज थाने की पुलिस ने कई बार छापेमारी की थी, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ रहा था। गोंडा पुलिस अधीक्षक के.एल. जायसवाल ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। जांच में सामने आया है कि विकास यादव बब्बन यादव, राहुल उर्फ अप्पू और नीरज यादव के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह चला रहा था। यह गिरोह समाज में भय पैदा कर आर्थिक लाभ के लिए दोपहिया वाहनों की चोरी और उनकी बिक्री करता था। इसी के चलते इन सभी के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 3(1) के तहत गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। वजीरगंज थाना अध्यक्ष विपुल पांडेय ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर गोंडा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस विकास यादव से उसके गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है।

प्रेमी की लाश से लिपटकर रोई, .फिर खुद भी जान दी

संवाददाता—बलरामपुर। 10 घंटे के भीतर प्रेमी और प्रेमिका ने फांसी लगाकर जान दे दी। पहले गुरुवार शाम करीब 7 बजे 19 साल के युवक ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। उसकी मौत की खबर मिलते ही 15 साल की प्रेमिका मौके पर पहुंची और प्रेमी के शव से लिपटकर फूट—फूटकर रोने लगी। वह करीब 30 मिनट तक शव से लिपटी रही। गांव के लोगों ने उसे दूर किया। वह रोते हुए घर आई। पूरी रात रोती रही। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे उसने भी अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों के बीच अफेयर कब से था, परिवार को नहीं पता है। लड़के की मां पूनम यादव ने बताया कि बेटा शादी की जिद करता था, लेकिन लड़की नाबालिग थी। हमारी जाति भी अलग—अलग थी। हम अपने बेटे को समझा रहे थे, लेकिन वो जिद पर ही अड़ा रहा। आखिरकार उसने जान दे दी। घटना जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के है।

श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के गांव किदूरा में उत्तम यादव (19 साल) का गांव की सुमन चौरसिया से अफेयर था। सुमन महज 15 साल की थी। दोनों के घरों की दूरी महज 200

उत्तम यादव, मृतक

सुमन चौरसिया, मृतक

मीटर है। गांव में चर्चा है कि दोनों के बीच गुरुवार को किसी बात पर झगड़ा हुआ था। शाम करीब 7 बजे उत्तम ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जैसे ही इसकी सूचना सुमन तक पहुंची, वह भागकर आई और फंदे से लटके उत्तम से लिपटकर फूट—फूटकर रोने लगी। वह शव को छोड़ने को तैयार नहीं थी। लोगों ने दूर हटाया तो वह एकटक उत्तम के शव को निहारती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उत्तम के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। सुमन को उसके परिजनों ने काफी समझाया और देर रात उसे घर ले आए। लेकिन वह लगातार गुमसुम थी। परिजनों के अनुसार, सुमन रात भर अपने कमरे में रोती रही। रात में खाना भी नहीं खाया। शुक्रवार सुबह परिजनों ने चाय के लिए गेट खटखटाया तो अंदर से बंद मिला। काफी देर तक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद गेट तोड़कर अंदर दाखिल हुए तो उसका शव पंखे से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटकता मिला। परिजन नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उत्तम चार भाई—बहनों में सबसे बड़ा था। परिवार में माता—पिता, दो बहनें और एक छोटा भाई है। वह अपने पिता के साथ हैदराबाद में मजदूरी करता था और कुछ समय पहले ही गांव आया था। लड़की कक्षा 11 की छात्रा थी। परिवार में उसकी मां, एक भाई और दो बहनें हैं। घटना के समय दोनों के पिता रोजी—रोटी के सिलसिले में प्रदेश से बाहर थे और सूचना मिलने के बाद गांव के लिए रवाना हो गए।

सुमन की दादी ने बताया कि लड़का मेरी नातिन पर दबाव बना रहा था कि मेरे साथ भाग चलो। अगर तुम नहीं आओगी तो मैं फांसी लगाकर जान दे दूंगा। जब मेरी नातिन नहीं गई तो लड़के ने फांसी लगा ली। जब मौत की जानकारी मेरी नातिन को हुई तो उसने भी फांसी लगा ली। थाना प्रभारी श्रीदत्तगंज अविरल शुक्ला ने बताया, दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामला प्रेम—प्रसंग का है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत —राहुल

संवाददाता—बहराइच। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल वाल्मीकि का शुक्रवार को बहराइच जनपद में प्रथम आगमन हुआ। उनके आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान डॉ. वाल्मीकि ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी। जनपद में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। डॉ. राहुल वाल्मीकि को हाल ही में भाजपा उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। इससे पहले, वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ठटच) के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश मंत्री के रूप में संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। प्रदेश मंत्री बनने के उपरांत उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित संगठन के पदाधिकारियों व मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया था। इसी क्रम में, कैसरगंज स्थित जी बी हॉस्पिटल में भाजपा नेता डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में डॉ. राहुल वाल्मीकि का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

जन्म शताब्दी समारोह पर अनमोल निधि पुस्तक का होगा विमोचन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भौतिकी के प्रख्यात प्राध्यापक एवं श्रीरामचरितमानस के अनन्य उपासक स्वर्गीय प्रो. जनार्दन प्रसाद की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में 18 और 19 जुलाई को अयोध्या में दो दिवसीय स्मृति समारोह का आयोजन किया जाएगा। परिवार, शिष्यों और शुभचिंतकों की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और आध्यात्मिक जीवन को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा।19 जुलाई 1926 को जन्मे प्रो. जनार्दन प्रसाद ने शिक्षा और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भौतिकी के प्रकांड विद्वान होने के साथ—साथ उनका जीवन श्रीरामचरितमानस की भक्ति और आदर्शों से ओत—प्रोत रहा। उन्होंने विज्ञान की तार्किक दृष्टि और आध्यात्मिक मूल्यों को परस्पर पूरक मानते हुए विद्यार्थियों और समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके शिष्य उन्हें ऐसे गुरु के रूप में याद करते हैं, जिन्होंने ज्ञान और आस्था को एक—दूसरे का पूरक बताया।समारोह के प्रथम दिन 18 जुलाई को श्रद्धालुओं और परिजनों की उपस्थिति में सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। यह पाठ प्रो. जनार्दन प्रसाद की प्रिय आध्यात्मिक साधना रहा है। वहीं 19 जुलाई को उनकी जन्मतिथि पर महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसी अवसर पर परिवार की ओर से तैयार स्मृति ग्रंथ श्अनमोल निधिश का भी विमोचन किया जाएगा।आयोजकों ने बताया कि समारोह में शिक्षा जगत के विद्वानों, संत—महात्माओं, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों सहित स्थानीय श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। परिवार की ओर से मीडिया प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से समारोह में शामिल होकर स्वर्गीय प्रो. जनार्दन प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की गई है।

अयोध्या पहुंच गए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, कहा– दान चोरी में गिरफ्तार आरोपी केवल बलि का बकरा

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर दान चोरी प्रकरण के बीच ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। शंकराचार्य ने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरि पर निशाना साधते हुए उन्हें 'निर्लज्ज' बताया। उन्होंने कहा कि जब मंदिर के कोष में चोरी हुई तो नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कोषाध्यक्ष को पद छोड़ देना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में गिरफ्तार किए गए लोग केवल 'बलि का बकरा' बनाए गए हैं और वास्तविक जिम्मेदार लोगों तक कार्रवाई नहीं पहुंची है।

शंकराचार्य ने यह भी दावा किया कि एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक हो गई, लेकिन चंपत राय के कथित इस्तीफे को सार्वजनिक नहीं किया गया। उनका कहना था कि चंपत राय ने वास्तव में इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि केवल इसका प्रचार किया गया। उन्होंने ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग को लेकर जनजागरण करना है। अयोध्या में उनकी यात्रा रुदौली से शुरू होकर मिल्कीपुर, बीकापुर और गोसाईगंज होते हुए अयोध्या विधानसभा क्षेत्र तक जाएगी। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

वहीं चढ़ावा चोरी की जांच में जुटी पुलिस ने गुरुवार को जिला कारागार जाकर आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और मनीष यादव से पूछताछ की। थाना रामजन्मभूमि में दर्ज मुकदमे के विवेचक और क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी ने दोनों से जांच में सामने आए सबूत दिखाकर तथ्यों का सत्यापन किया। इस दौरान फुटेज, बरामदगी रकम–सामान, पूर्व में दर्ज बयान समेत अब तक मिले साक्ष्यों के आधार पर उनसे कई अहम बिंदुओं पर सवाल जवाब किए। पुलिस जांच में अभी तक टिन्नू ही चढ़ावा चोरी का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। मनीष यादव उसका भतीजा है, जिसकी तैनाती गणनाकर्मी के रूप में टिन्नू ने ही कराई थी। विवेचक ने दोनों से नियुक्ति प्रक्रिया, गणना में उनकी जिम्मेदारियों और चोरी की साजिश में भूमिका पर विस्तार से पूछताछ की। चोरी की योजना, धनराशि के बंटवारे, नकदी बाहर निकालने के तरीके, अन्य कर्मियों की संभावित भूमिका के संबंध में भी पूछताछ की। इस मामले में पुलिस का शिकंजा एसबीआई के अधिकारियों और कर्मचारियों पर कसता जा रहा है। वर्तमान और पूर्व अधिकारियों, कर्मियों के बयानों में भिन्नता से शक की सुई गहरा गई है। मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच हुए एसओपी का अनुपालन कराना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी थी,लेकिन ऐसे हालात पैदा किए गए, जिससे खेल निर्बाध चलता रहे।

चढ़ावा चोरी का मास्टमाइंड टिन्नू यादव और भतीजा मनीष 39 घंटे की रिमांड पर, कई और राज खुलेंगे

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच और बरामदगी को लेकर पुलिस ने मामले के दो आरोपियों रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव की पुलिस कस्टडी रिमांड की मांग स्वीकार हो गई। है। मास्टमाइंड टिन्नू यादव और भतीजा मनीष यादव को कोर्ट ने 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। पुलिस शनिवार को इन दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए जेल से बाहर ले जाएगी, जो इस मामले की चल रही जांच का हिस्सा है। इन दोनों से पूछताछ कई और सच सामने आएंगे। मामले के विवेचक और क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी ने विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की अदालत में विशेष अभियोजन अधिकारी के माध्यम से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा और बरामदगी होने की संभावना है। इसी उद्देश्य से दोनों से अभिरक्षा में लेकर विस्तृत पूछताछ की अनुमति मांगी गई। अदालत ने पुलिस के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि तय की थी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष अपने–अपने तर्क रखे। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय कस्टडी रिमांड पर फैसला सुनाया। इससे पहले इसी प्रकरण में पुलिस छह अन्य आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है। रिमांड के दौरान सभी आरोपियों से घटना की योजना, चढ़ावे की धनराशि के लेन–देन, साक्ष्यों के सत्यापन तथा अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की गई थी।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी में शामिल आरोपियों की करतूतों की परतें खुल रही हैं। पता चला है कि मनीष कुमार यादव भर्ती होते ही चढ़ावा चोरी गिरोह का सरगना बन गया था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में नोटों की गड्डियां चुराते सीधे तौर पर तीन लोग देखे गए। अविनाश शुक्ला, मनीष यादव और रमाशंकर मिश्रा। यह तीनों चढ़ावे की रकम पार करते थे और बाकी तीन अन्य इनकी मदद करते थे। मदद में सभी घेरा बनाकर सीसीटीवी फुटेज के आगे खड़े हो जाते थे।

एसआईटी रिपोर्ट के मुताबिक, मनीष यादव की भर्ती उसके बड़े पिता (ताऊ) रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू की सिफारिश पर हुई थी। टिन्नू ने मनीष की भर्ती के लिए कागजात एसबीआई के रत्नेश चतुर्वेदी को दिए थे। रत्नेश ने सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज के जरिए गणनाकर्मी पद पर संविदा प्रक्रिया पूरी कराई। रिकार्ड के मुताबिक 15 अप्रैल 2026 को ही मनीष यादव की भर्ती हुई और 11 मई 2026 की सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावे की गड्डियां पार करते हुए सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ। ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय के ड्राइवर रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू सीधे तौर पर पैसे चोरी करते हुए तो नहीं पकड़े गए लेकिन आशंका है कि उसने अपने भतीजे मनीष को आगे किया।

सीबीएसई ने शुरू किए 19 डिजिटल स्किल कोर्स, कक्षा आठ से 12वीं तक के छात्रों को मिलेगी फ्री ट्रेनिंग

संवाददाता–गोरखपुर। अब छात्र केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और डेटा साइंस जैसी भविष्य की तकनीकों का प्रशिक्षण भी फ्री प्राप्त कर सकेंगे। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा आठ से 12 तक के विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीकों से जोड़ने की नई पहल शुरू की है। बोर्ड ने एनआईईएलआईटी (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी) डिजिटल यूनिवर्सिटी के 19 ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद जनपद के 150 से अधिक संबद्ध विद्यालयों ने भी इन कोर्सों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। बोर्ड की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कर डिजिटल दक्षता व रोजगारपरक कौशल विकसित करना है। स्कूल प्रबंधन का मानना है कि नियमित पढ़ाई के साथ इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को जोड़ने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल हासिल करने का अवसर मिलेगा। इन 19 पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, पाइथन प्रोग्रामिंग, साइबर सुरक्षा, इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी), डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग, बिग डेटा, एम्बेडेड सी, लिनक्स, विंडोज सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन, एडब्ल्यूएस, वर्चुअलाइजेशन, वीएलएसआइ डिजाइन और रोबोटिक प्रोसेस आटोमेशन (आरपीए) जैसे आधुनिक विषय शामिल हैं। इनकी अवधि डेढ़ घंटे से लेकर 20 घंटे तक है और सभी कोर्स विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध रहेंगे। विद्यालय इन पाठ्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए आईटी क्लब, कंप्यूटर टीचर और करियर काउंसिलिंग सेल का सहयोग लेंगे। जागरूकता सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को पंजीकरण, पाठ्यक्रम चयन और अध्ययन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। जिन विद्यार्थियों के पास घर पर इंटरनेट या कंप्यूटर की सुविधा नहीं है, उनके लिए विद्यालय परिसर में ऑनलाइन अध्ययन की व्यवस्था भी की जाएगी। नई शिक्षा नीति के दौर में डिजिटल कौशल प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकता बन चुका है। एआई, साइबर सुरक्षा और प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों की शुरुआती समझ विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाएगी। विद्यालयों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। –पूर्णेन्दु शुक्ल, करिअर काउंसलर

सीबीएसई की यह पहल विद्यार्थियों को भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यदि विद्यालय इन कोर्सों को आइटी क्लब, कंप्यूटर लैब और नियमित शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़कर संचालित करें, तो अधिकाधिक विद्यार्थी इसका लाभ उठाकर अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ा सकेंगे। –डा.सुनीत कोहली, सिटी कोआर्डिनेटर, सीबीएसई

अमथरी में शबाना शेख बनीं निर्विरोध कोटेदार

संवाददाता–संतकबीरनगर। सांथा विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत अमथरी में सरकारी राशन की दुकान (कोटे) के लिए शबाना शेख का निर्विरोध चयन किया गया है। कोटेदार पद के लिए उनके अलावा किसी अन्य व्यक्ति ने दावेदारी नहीं की, जिसके बाद ग्राम समिति ने सर्वसम्मति से उन्हें जिम्मेदारी सौंप दी। कोटेदार चयन की प्रक्रिया गुरुवार को ग्राम पंचायत में आयोजित की गई। निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए थे, लेकिन शबाना शेख के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने अपना दावा प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद समिति ने उन्हें निर्विरोध कोटेदार घोषित कर दिया। नवनियुक्त कोटेदार शबाना शेख ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि पात्र लाभार्थियों को सरकार की मंशा के अनुरूप समय से राशन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने जो विश्वास जताया है, उसे बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि राशन वितरण में पारदर्शिता बरती जाएगी और किसी भी लाभार्थी को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। चयन प्रक्रिया के दौरान ग्राम विकास अधिकारी अश्विनी गौतम, श्रवण कुमार पासवान, ग्राम प्रधान शहनाज, निषाद पार्टी के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सेराज चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस अवसर पर आरिफ, जुबेर, शोएब, दिलशाद, महेंद्र, अशोक, जगदीश, राज मौर्य, अंगद मौर्या, मुंशीरजा, नसीम अहमद हुसैन, बादशाह और वलीउल्लाह सहित अन्य ग्रामीणों ने भी नवनियुक्त कोटेदार को शुभकामनाएं दीं।

देवघर के लिए सावन स्पेशल ट्रेन 29 जुलाई से

संवाददाता–गोरखपुर। यात्रियों की सुविधा के लिए 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनस–लौकहा बाजार वाया गोरखपुर द्विसाप्ताहिक स्पेशल का संचलन आठ फेरों के लिए किया जाएगा। यह जानकारी सीपीआरओ सुमित कुमार ने दी है। 04014 आनन्द विहार टर्मिनस–लौकहा बाजार स्पेशल 20 जुलाई से 13 अगस्त तक आनन्द विहार टर्मिनस से दोपहर 3:40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 7:35 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यहां से प्रस्थान कर रात 8:15 बजे लौकहा बाजार पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04013 लौकहा बाजार–आनन्द विहार टर्मिनस स्पेशल 21 जुलाई से 14 अगस्त तक लौकहा बाजार से रात 9:30 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12:50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में खेत से घर लौट रहे दो युवकों के लिए शुक्रवार की शाम काल बन गई। बांसी कोतवाली क्षेत्र के हायातनगर के टोला बंजरही में बांध की चढ़ाई चढ़ते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि 20 वर्षीय दीपक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 18 वर्षीय साथी रमेश गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दोनों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दीपक की सांसें थम चुकी थीं। घायल रमेश का मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर खेत से वापस लौट रहा था। जैसे ही वाहन बांध की चढ़ाई पर पहुंचा, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। चालक के संभलने से पहले ही ट्रैक्टर पलट गया और दोनों युवक उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई और ग्रामीण दौड़ पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। बिना समय गंवाए उन्हें बांसी के 50 शैय्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि राहत कार्य में थोड़ी भी देरी होती तो घायल युवक की हालत और गंभीर हो सकती थी।

संयुक्त चिकित्सालय में चिकित्सक डॉ. लक्ष्मी शंकर सिंह ने जांच के बाद 20 वर्षीय दीपक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 18 वर्षीय रमेश की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही बांसी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। दीपक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। घायल रमेश के शीघ्र स्वस्थ होने की ग्रामीण प्रार्थना कर रहे हैं। हादसे ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों से जुड़े मार्गों और बांधों पर ट्रैक्टरों का आवागमन लगातार बढ़ा है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कोई विशेष व्यवस्था नहीं है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सूरसती पत्नी श्रीराम ग्राम– कोईलपकर पोस्ट– मनैतापुर जनपद सिद्धार्थनगर है। मैंने अपना नाम सूरसती से बदलकर गुजराती कर लिया है। अब मुझे गुजराती पत्नी श्रीराम के नाम से जाना व पहचाना जाए।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद सं0–173/2025

न्यायालय– श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) कक्ष सं01 जिला–सिद्धार्थनगर

मनोज कुमार

बनाम

श्रीमती सुशीला देवी आदि

1. श्रीमती सुशीला देवी उर्फ सुशीला उम्र करीब 87 साल पत्नी स्व0 नरसिंह (अर्ध विक्षिप्त) द्वारा संरक्षिका श्रीमती प्रीति उम्र करीब 37 साल पत्नी मनोज कुमार साकिन सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. श्रीमती रीता देवी वालिग पत्नी कोलेसर साकिन व पोस्ट सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

3. जितेन्द्र नरायन उर्फ सन्तोष उम्र करीब 48 साल पुत्र स्व0 नरसिंह साकिन सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

4. ध्रुवनरायन उर्फ ध्रुवनरायन उम्र करीब 62 साल पुत्र पल्टा प्रसाद साकिन सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर हाल मुकाम 108 मोहल्ला शेषनगर तेतरी बाजार जिला सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी चतुर्थ वर्ग

5. श्रीमती प्रीति उम्र करीब 37 वर्ष पत्नी मनोज कुमार साकिन सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी पंचम वर्ग

6. रूस्तम वालिग पुत्र शोभा 7. रामदेव वालिग पुत्र प्रसाद 8. पिंगल वालिग पुत्र प्रसाद 9. मो0 इद्रीश वालिग पुत्र बकरीदन 10. श्रीमती साबिरा वालिग पत्नी मो0 सई 11. सुजीत कुमार वालिग पुत्र सुरेन्द्र प्रसाद साकिनान सन्तोरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी षष्टम् वर्ग

तारीख पेशी– 27.08.2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 27–08–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 17.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–950/2009

मो0 हनीफ आदि

बनाम

नजमा खातून आदि

3/1 वारिस अली उम्र लगभग 40 वर्ष 3/2 मोहर अली उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण मो0 इद्रीश 3/3 नूरजहाँ उम्र लगभग 46 वर्ष 3/4 अफसरून्निशा उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्रीगण मो0 इद्रीश निवासीगण ग्राम हैदराबाद तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–08–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 15 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–141/2026

नवीन शुक्ला

बनाम

राजनरायन चौधरी आदि

1. राजनरायन चौधरी पुत्र बैजनाथ साकिन मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. मनोज कुमार गुप्ता पुत्र उमाशंकर गुप्ता साकिन पिकौराबक्श बाटा गली पोस्ट गांधीनगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–07–2026

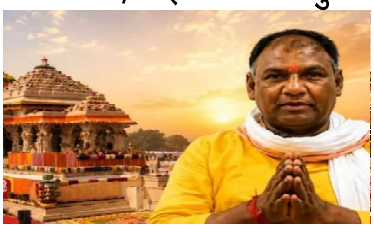

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद सं0–227/2024

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर

रामरक्षा

बनाम

राम प्रकाश आदि

2. अमरचन्द्र आयु करीब 26 वर्ष पुत्र सुखदेव 3. रामफेर आयु करीब 45 वर्ष पुत्र रामउजागिर 4. रामजीत आयु करीब 50 वर्ष पुत्र स्व0 ललई 5. अवधेश कुमार आयु करीब 36 वर्ष पुत्र नरेश 6. रामकृपाल आयु करीब 75 वर्ष पुत्र जगई 7. मुन्नीलाल आयु करीब 40 वर्ष 8. रंगीलाल आयु करीब 30 वर्ष सन्तराम 9. लड्डू लाल आयु करीब 26 वर्ष पुत्रगण सन्तराम 10. जोखन आयु करीब 40 वर्ष 11. बृजलाल आयु करीब 37 वर्ष पुत्रगण महातम 12. रामशब्द आयु करीब 45 वर्ष पुत्र बदरी 13–राजमन आयु करीब 42 वर्ष पुत्र बदरी 14–रामकेश आयु करीब 50 वर्ष पुत्र बाबूराम 15–सूरत आयु करीब 36 वर्ष 16–जगराम आयु करीब 44 वर्ष पुत्रगण तीरथ 17–परशुराम आयु करीब 72 वर्ष पुत्र स्व0 नगई 18–सोमन आयु करीब 52 वर्ष पुत्र खदेरू साकिनान खदरा, तप्पा असनार, परगना बांसी पूरब, तहसील बांसी, जनपद सि0 नगर

प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी– 21.08.2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 21–08–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 13.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद सं0–233/2026

1– अमरनाथ उम्र लगभग 56 वर्ष पुत्र बद्री प्रसाद निवासी ग्राम–लोटन, तप्पा–नेतवर, परगना–विनायकपुर, तहसील–नौगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर हाल मुकाम परसा शाह आलम, तप्पा थरौली, परगना व तहसील–नौगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर।

आवेदक

बनाम

1– इस्टेट आफ बद्री प्रसाद

विपक्षी

तारीख पेशी– 21.08.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता मृतक बद्री प्रसाद पुत्र निरहूराम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि अमरनाथ पुत्र बद्री प्रसाद ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 08 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 07 के 13 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 197/2026

1– रनेश्वर प्रसाद उम्र करीब वर्ष 2–अरविन्द कुमार चौधरी उम्र करीब वर्ष पुत्रगण स्व0 गौरीशंकर साकिनान–भीमापार, तप्पा थरौली, परगना व तहसील–नौगढ़, जिला–सिद्धार्थनगर।

...प्रार्थिनी

बनाम

1– स्टेट ऑफ मृतक गौरीशंकर व श्रीमती कोमली देवी

तारीख पेशी– 21.08.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता/पुत्र मृतक गौरी शंकर को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 08 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 07 के 13 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सिविल निगरानी वाद के सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना

(धारा 41 नियम 14 व्या0प्र0सं0)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/ विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. एक्ट महोदय सिद्धार्थ नगर

सिविल निगरानी सं0 01/25

चन्द्रभूषण आदि

बनाम

रामअनुज आदि

1– रामानुज पुत्र चन्द्रमान 2– शान्ति भूषण 3– राघवेन्द्र मणि रामानुज 4– रत्नेश मणि 5– आदित्य मणि पुत्रगण रामानुज 6– मु0 माया देवी विधवा रमाकान्त 7– अविनाश पुत्र रमाकान्त 8– दुर्गेश पुत्र रमाकान्त 9– अवधेश पुत्र रमाकान्त 10– घनश्याम पुत्र लक्ष्मी प्रसाद 11– हरिराम पुत्र सरस्वती 12–मधुरेश नरायन उर्फ ओमप्रकाश ग्राम व पोस्ट–चरथरी, तप्पा–कुदारन, परगना–बांसी पूरब, तहसील–बांसी, जनपद–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–08–2026

आपको सूचना दी जाती है कि मामले को आदेश डिक्री की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गयी है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 13–08–2026 नियत की गयी है। यदि इस अपील में आप की ओर से आप स्वयं या आपके अभिवक्ता या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उक्त नियति तिथि को समय 10:00 अपरान्ह उपसंजात नहीं होगा तो वह आपके अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।

यह आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com